राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रतिवेदन
सत्र 2012–13

राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत दो प्रकार की गतिविधियाँ – 'नियमित गतिविधि' तथा 'विशेष शिविर' गतिविधियाँ संचालित होती है। दोनों प्रकार की गतिविधियों के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा किये गये कुछ महत्वपूर्ण कार्य निम्नानुसार है–

1. पंजीयन :– छत्तीसगढ़ राज्य में 6 विश्वविद्यालयों के अंतर्गत कुल 90750 की संख्या आबंटित है।

क्र0	वि0वि0 का नाम	इकाई आबंटन			आबंटित संख्या	वास्तविक पंजीयन		
		महावि0	विद्यालय	योग		पुरूष	महिला	योग
01	पं0 रविशंकर शुक्ल वि0वि0, रायपुर	124	254	**378**	30,825	19015	12502	**31517**
02	गुरू घासीदास वि0वि0, बिलासपुर	86	205	**291**	26,100	18778	8114	**26892**
03	इंदिरा गांधी कृषि वि0वि0, रायपुर	26	05	**31**	2,600	1869	987	**2856**
04	स्वामी विवेकानंद तक0 वि0वि0, भिलाई	26	15	**41**	3,850	2390	1645	**4035**
05	बस्तर वि0वि0, जगदलपुर	25	139	**164**	13,575	8482	5393	**13875**
06	सरगुजा वि0वि0, अंबिकापुर	38	121	**159**	13,800	9716	2109	**11825**
	योग	**325**	**739**	**1064**	**90,750**	**60250**	**30750**	**91000**

2. कार्यक्रम :–

- **रासेयो स्थापना दिवस का आयोजन** :– राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस (24 सितंबर) समारोह में माननीय श्री रामविचार नेताम, उच्च शिक्षा मंत्री, छ0ग0 शासन एवं माननीय श्री बृजमोहन अग्रवाल, स्कूल शिक्षा मंत्री, छ0ग0 शासन तथा भारत सरकार के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस समारोह में राज्य के रासेयो युक्त छः विश्वविद्यालयों द्वारा पूर्व सत्र में किये गये कार्यो की प्रदर्शनी व मॉडलों के रूप में प्रदर्शित किया गया था। राज्य स्तरीय चयन समिति द्वारा संपूर्ण प्रदर्शन व प्रदर्शित जानकारियों के आधार पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के मण्डप को प्रथम घोषित किया तथा रनिंग शील्ड माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदान की गयी तथा पूर्व रासेयो अधिकारियों व छात्रों को सम्मानित किया।

  राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस 24 सितंबर को पूर्व सत्र में किये गये कार्यो के आधार पर श्रेष्ठ स्वयंसेवक, श्रेष्ठ कार्यक्रम अधिकारी को सम्मानित किया जायेगा। यह सम्मान माननीय उच्च शिक्षा मंत्री एवं माननीय स्कूल शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पं0 रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के प्रेक्षागृह में 4.30 से 5.30 तक आयोजित सम्मान समारोह में दिया गया। राज्य स्तर पर उच्च शिक्षा विभाग द्वारा चयन समिति द्वारा निम्नानुसार छात्र–छात्रा व अधिकारियों का चयन किया गया :–

  स्वयंसेवक :–

  1. सविता चंद्राकर, पी.जी.डी.सी.ए., शासकीय स्नातको0 महावि0, महासमुंद
  2. भुवन लाल साहू, बी0एस0सी0 भाग–3 शासकीय महावि0 बिलासपुर
  3. कु0 पूनम साहू, 12 वीं, शासकीय उ0 मा0 विद्यालय, महासमुंद।

  कार्यक्रम अधिकारी :–

  1. श्री रमेश कुमार सोनी, कार्य0 अधिकारी, शास0 आदर्श उ0मा0वि0, बसना
  2. श्री रमेश कुमार, बी.आई.टी., दुर्ग

- **सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं रासेयो पुरस्कार** :– इस अवसर पर सभी विश्वविद्यालयों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। बस्तर, सरगुजा के लोक नृत्य, पंथी नृत्य, कृषि विश्वविद्यालय की प्रस्तुतियों ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। श्रेष्ठ स्वयंसेवकों को माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, छ0ग0 शासन द्वारा सम्मानित किया गया।

- **राज्य स्तरीय पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन** :– राज्य स्तरीय पोस्टर प्रतियोगिता भी राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित की गयी थी। जिसका विषय था – **"संदेश देते नभचर, प्रकृति के हो सहचर"।** इसमें प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले स्वयंसेवकों को भी माननीय उच्च शिक्षा मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा इस वर्ष पर्यावरण संरक्षण हेतु विशेष प्रयास किये जाने पर बल दिया गया।
- **कार्यक्रम अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु संस्थान का शुभारंभ** :– छत्तीसगढ़ राज्य में युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पहली बार कार्यक्रम अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु एक संस्थान (ई0टी0आई0) स्वीकृत किया जो कि पं0 रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर की संगठन व्यवस्था में संचालित होगा। रासेयो दिवस 24 सितंबर को महामहिम राज्यपाल के मुख्य आतिथ्य तथा कुलपति की अध्यक्षता में इसका उद्घाटन हुआ।

बैच क्र.	सहभागिता संख्या	अवधि	स्थान
प्रथम बैच	37	24 से 29 सितंबर, 2011	पं. रविवि, रायपुर
द्वितीय बैच	40	10 से 15 अक्टूबर, 2011	पं. रविवि, रायपुर
तृतीय बैच	41	23 से 28 नवंबर, 2011	पं. रविवि, रायपुर
चतुर्थ बैच	40	17 से 22 जनवरी, 2012	पं. रविवि, रायपुर
पंचम बैच	43	24 से 29 जनवरी, 2012	पं. रविवि, रायपुर
षष्ठम बैच	59	18 से 23 फरवरी, 2012	बस्तर वि.वि., जगदलपुर
सप्तम बैच	59	23 से 28 फरवरी, 2012	बस्तर वि.वि., जगदलपुर
अष्ठम बैच	50	01 से 06 मार्च, 2012	पं. रविवि, रायपुर
नवम् बैच	36		
दशम् बैच	44	13 से 19 जुलाई, 2012	इं. गां. कृषि वि.वि. रायपुर
एकादश बैच	33	21 से 27 जुलाई, 2012	गु. घा. वि.वि., बिलासपुर
द्वादश बैच	35	03 से 09 अगस्त, 2012	पं. रविवि, रायपुर
त्रयोदश बैच	33		
चौदहवां बैच	47	04 से 10 अक्टूबर, 2012	पं. रविवि, रायपुर
पंद्रह बैच	42	11 से 17 अक्टूबर, 2012	पं. रविवि, रायपुर
सोलहवां बैच	44	15 से 21 दिसंबर, 2012	पं. रविवि, रायपुर
सत्रहवां बैच			
अठारहवां बैच	30	22 से 28 फरवरी, 2013	पं. रविवि, रायपुर

- **पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन** :– इस सत्र के प्रारंभ में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव ने सभी अधिकारियों की बैठक लेकर राज्य में **'पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन'** हेतु विशेष प्रयास किये जाने पर जोर दिया था। जिसके अंतर्गत प्रत्येक विश्वविद्यालयों की विभिन्न संस्थाओं द्वारा **वृक्षारोपण** के कार्य संचालित किये जा चुके है। राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र–छात्राओं द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में **पक्षियों का सर्वेक्षण** कराया जा रहा है। जिससे यह ज्ञात हो सके कि कौन सी प्रजातियाँ विलुप्त प्राय होने को है। इसके साथ–साथ इस **सर्वेक्षण के माध्यम से छात्र–छात्राओं को वन्य जीवों से जोड़ने का भी प्रयास** किया जा रहा है।
- **औषधीय पौधों का सर्वेक्षण** :– राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र–छात्राओं के माध्यम से **औषधीय पौधों के ग्रामीण परिवेश में उपयोग संबंधी सर्वेक्षण** कराया जा रहा है। जिससे इस राज्य की विलुप्त वनस्पतिक संपदा की जानकारी अधिक से अधिक प्राप्त की जा सके। इसके लिए ग्राम में रहने वाले **बुजुर्ग व्यक्तियों व वैद्यों से अधिक से अधिक संपर्क** करने के लिये छात्रों को निर्देशित किया गया है। जिससे जहाँ छात्रों का उनसे जुड़ाव हो वही उनके ज्ञान या अधिकाधिक उपयोग हो सके। **जल संवर्धन के लिये तथा पारम्परिक कृषि तकनीकों** के उपयोग संबंधी सर्वेक्षण का भी कार्य रासेयो द्वारा कराया जा रहा है।
- **गांधी जयंती पर कार्यक्रम** :– 02 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा नशा उन्मूलन हेतु अभियान प्रारंभ किया गया। प्रदेश की विभिन्न इकाईयों द्वारा इस अवसर पर जागरूकता रैली निकाली गयी तथा लेखन प्रतियोगिता, नारे नियोगिता तथा गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रदेश भर के छात्र–छात्राओं द्वारा आकर्षक रैलियां निकाली गयी। बहुत सी इकाईयों के द्वारा गांधी जयंती पर विभिन्न ग्रामों में छात्र–छात्राओं के लिये एक दिवसीय

शिविर आयोजित किये गये, जिसमें ग्राम की साफ–सफाई का कार्य किया गया तथा मद्य निषेध हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया।

- **पूर्व गणतंत्र दिवस परेड :–** गणतंत्र दिवस परेड – 2012–13 का आयोजन हॉकी स्टेडियम, रांची, झारखंड 2012 में 05 से 14 अक्टूबर 2012 तक आयोजित किया गया है। गणतंत्र दिवस परेड में छत्तीसगढ़ राज्य से कुल 10 छात्र, 10 छात्राएं एवं 01 (पुरूष) कार्यक्रम अधिकारी ने भागीदारी की। जो निम्नानुसार है :–

क.	वि0वि0 का नाम	छात्र	छात्रा	कार्य0 अधिकारी
1.	पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर	02 छात्र	02 छात्रा	01
2.	गुरू घासीदास वि.वि., बिलासपुर	02 छात्र	02 छात्रा	–
3.	इंदिरा गांधी कृषि वि.वि., रायपुर	01 छात्र	01 छात्रा	–
4.	सरगुजा वि.वि., अंबिकापुर	02 छात्र	02 छात्रा	–
5.	बस्तर वि.वि., जगदलपुर	02 छात्र	02 छात्रा	–
6.	स्वामी विवेकानंद तक0 वि.वि.,भिलाई	01 छात्र	01 छात्रा	–

- **गणतंत्र दिवस परेड :–** गणतंत्र दिवस परेड 01 से 31 जनवरी, 2012 हेतु छत्तीसगढ़ राज्य से खुबीराम साहू, शास0उच्च.माध्य.विद्यालय, बलौदाबाजार, खीर सागर खुंटे, शास0मॉडल उच्च.माध्य. विद्यालय,बसना, हेमंत कुमार जैन, शास0भारती उच्च.माध्य.विद्यालय,कांकेर, भानुप्रीया पाटकर, शास0एम.व्ही.पीजी महावि0महासमुंद, उर्मिला भगत, एस.के.महावि0ऑफ कृषि एण्ड अनुसंधान, कवर्धा, मीनाक्षी कौशिक, शास0महावि0शहीद गेंदसिंह महावि0, चारामा, कांकेर ने भागीदारी की।
- **गोदग्राम की जानकारी** :– राष्ट्रीय सेवा योजना के 1064 इकाईयों के द्वारा सत्र 2012–13 में लगभग 798 गांवों को गोद लिया गया तथा यहां पर गांव की साफ–सफाई, शासन द्वारा प्रारंभ योजना के बारे में जानकारी एवं जागरूकता अभियान तथा तालाब का गहरीकरण, सोक्ता गढ्डा का निर्माण आदि कार्य किया गया।
- **रक्तदान की जानकारी** :– राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाईयों के द्वारा विभिन्न विभागों से स्वास्थ्य शिविर एवं रा0से0यो0 के विशेष शिविर के माध्यम से 426 रक्तदान शिविर आयोजित हुए है। जिसमें 2035 छात्र/छात्रा ने 2180 यूनिट रक्तदान किया।
- **ट्रेनिंग एण्ड ट्रेनर्स कार्यक्रम :–** राजीव गांधी युवा विकास संस्थान द्वारा कार्यक्रम अधिकारियों के लिये ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स Social Harmony National Unity and Human Rights के कार्यक्रम का आयोजन न्यू एम एल ए होस्टल सिविल लाईन नागपुर, महाराष्ट्र में दिनांक 02 से 08 जनवरी, 2013 तक आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य से 05 पुरूष एवं 05 महिला कुल 10 कार्यक्रम अधिकारियों ने भागीदारी की।
- **मनाली में साहसिक कार्यक्रम में प्रतिनिधित्व :–** युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार नेहरू इस्टीट्यूट माउंटेनियरिंग – मनाली (शिमला) में दिनांक 14 से 23 जून 2012 तक राजीव गांधी एडवेंचर स्कीम के अंतर्गत ग्रीष्म कालीन साहसिक कार्यक्रम 2012 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में रा0से0यो0 के श्री कांती यादव, कार्यक्रम अधिकारी, शास0 कन्या उ0 मा0 वि0, खोखरा, बिलासपुर एवं श्री उपेन्द्र चन्द्राकर, एस0बी0टी0 महावि0, बिलासपुर, श्री धीरज कुमार मिश्रा, डी0प्री0 विप्र महावि0, बिलासपुर, कु0 प्रेमशीला शर्मा, सी0एम0डी0 महावि0, बिलासुपर, कु0 दिव्या सिंह, शिक्षण विभाग, गुरू घासीदास वि0वि0, बिलासपुर, श्री विजय कुमार, सर्वोदय उ0मा0 वि0, धमतरी, श्री अंकित सोनी, सर्वोदय उ0मा0 वि0, धमतरी, कु0 पूनम साहू, शास0कन्या उ0मा0वि0, महासमुंद, कु0 बरखा साहू, शास0कन्या उ0मा0वि0, महासमुंद, श्री प्रितेश कुमार पांडेय, कृषि महाविद्यालय, जगदलपुर, कु0 दीपा चंद्रवंशी, छ0ग0 कृषि महावि0, दुर्ग, कु0 मिनाक्षी नेताम, ठाकुर भावसिंह कला / वाणिज्य महाविद्यालय, नरहरपुर, श्री अंजोरी राम जुर्री, ठाकुर भावसिंह कला/वाणिज्य महावि0, नरहरपुर श्री अश्वनी कुमार सिन्हा, चौकसे इंजीनियरिंग महावि0, लालखदान, बिलासपुर, श्री अशोक कुमार राजवाड़े, शास0 स्नातक महावि0, बैकुंठपुर, कु0 नीलमणि तिर्की, राजीव गांधी शास0 स्नातको0 महावि0, अंबिकापुर ने भागीदारी की।
- **ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर प्रोग्राम :–** राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान श्री पेरम्बुदूर तमिलनाडू द्वारा दिनांक 20 से 25 फरवरी, 2013 तक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छ0ग0 प्रदेश के **बिलासपुर वि0वि0 बिलासपुर** से रा0 से0 यो0 के डॉ0 एम0एम0 बाजपेयी, कार्यक्रम अधिकारी,

मोहम्मद मुर्सलीन खान, कार्यक्रम अधिकारी, पुनेश्वर नाथ मिश्रा, अभिमन्यु पटेल, बालक राम यादव, कु0 दिव्या सिंह, कु0 ज्योति कुशवाहा, कु0 मीना साहू **छ0ग0 स्वामी विवेकानंद तकनीकी वि0वि0, भिलाई** से श्री राज विश्राम, कार्यक्रम अधिकारी, कुमारी उषा जायसवाल, कार्यक्रम अधिकारी, श्री जितेन्द्र कुमार, श्री शिवलाल, कु0 गरिमा तिवारी, कु0 प्रियंका बंजारे **पं0 रविशंकर शुक्ल वि0वि0, रायपुर** से श्री रमेश सोनी, कार्यक्रम अधिकारी, सुश्री पद्मा मानिकपुरी, कार्यक्रम अधिकारी, श्री अश्वनी गायकवाड़, पोखराज साहू, नम्रता तिवारी, स्वाति चन्द्राकर, नेहा सोनी, गायत्री राजपुत्र एवं **बस्तर वि0वि0, जगदलपुर** से श्री महेन्द्र सागर, कार्यक्रम अधिकारी, श्रीमती रीबा जॉन, कार्यक्रम अधिकारी, उमन दुबे, रीया बख्शी ने भागीदारी की।

- **मेगा शिविर का आयोजन** :– राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान श्री पेरम्बुदूर तमिलनाड के संयोजन में दिनांक 06 से 17 जून, 2012 तक विशाखापट्नम (आंध्रप्रदेश) में मेगा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में छ0ग0 प्रदेश से श्री भुवन लाल साहू, ई. राघवेन्द्र राव शास0 आदर्श विज्ञान महावि0, बिलासपुर, श्री पुनेश्वर नाथ मिश्रा, शिक्षण विभाग गु0घा0वि0वि0, बिलासपुर, कु0 अल्का पांडेय, शिक्षण विभाग गु0घा0वि0वि0, बिलासपुर, श्री विशाल, श्री राजीव सेन, श्री यश गिधवानी, श्री विश्वनाथ चन्द्रा, कु0 यशिका, कु0 मंगा गौतम, कु0 तृप्ति अग्रवाल, कु0 रिया धाड़ीवाल, कु0 निधि यूके, होली क्रास हायर सेकेण्डरी स्कूल कॉपा, रायपुर से तथा दल प्रभारी के रूप में सुश्री अनिता वाधरा, कार्यक्रम अधिकारी, होली क्रास हायर सेकेण्डरी स्कूल कॉपा, रायपुर ने भागीदारी की।
- **साहसिक कार्यक्रम का आयोजन** :– भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा मिनिस्ट्री ऑफ डेवलपमेंट, ऑफ नार्थ इस्टर्न रीजन की संगठन व्यवस्था में यूथ टू द ऐज साहसिक कार्यक्रम रोईंग, अरूणाचल प्रदेश दिनांक 14 से 19 मार्च, 2013 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रदेश से 01 पुरूष कार्यक्रम अधिकारी एवं 07 छात्र तथा 07 छात्रा पं0 रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर की संगठन व्यवस्था में भागीदारी की।

राष्ट्रीय सेवा योजना, राज्य स्तरीय प्रकोष्ठ

उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, मंत्रालय, नया रायपुर

एडी 1–सी 7, महानदी भवन, मंत्रालय, नया रायपुर (छ0ग0) फोन : 0771–2262822 मोबाईल नंबर – 94255–12969

List of best events to Chhattisgarh state

1	**Candle Exhibition** We provide the Wax to mentally retarded school "Sneha Sampda" situated at Sect. 8, Bhilai, Durg. From that wax the students of that school make the candles. These candles are different types like floating, Christmas Tree, in Duck shape and many more fancy type. Then we make exhibition and sell in our college i.e. Bhilai Institute of Technology Durg. The profit earned by sell is given back to school and principle amount is used for purchase wax again and process is continued from past three years. By this they get the work, satisfaction and earning without mercy or help.
2	**Old Copy Use** Our students take out the remaining pages from laboratory book which remained unused. By this unused paper students make handicraft copy like notebook, slum book, address book etc. These copies are distributed to nearby school for the purpose of their use and for lessons also.
3	**Bird Drinking Pot** We purchase the earthen pot for the purpose of drinking water to bird in summer season and distribute them to our students to provide drinking water in summer season in their home.
4	**Woolen Cap** We purchase woolen cap in winter season and give it to our students to search needy children who can use this.
5	**Postcard Writing** In e-mail and internet age our students write postcard to their guardian which improves the analytical, thinking, rereading and creativity.
6	**Farewell** Our Senior NSS students get farewell from juniors every year. Place are selected (SIYAN SADAN i.e. Old age home) such a way that farewell and some social feelings also com TOGETHER.

राष्ट्रीय सेवा योजना, राज्य स्तरीय प्रकोष्ठ

उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, मंत्रालय, नया रायपुर

एडी 1–सी 7, महानदी भवन, मंत्रालय, नया रायपुर (छ0ग0) फोन : 0771–2262822 मोबाईल नंबर – 094255–12969

National Seminar on "Human Values in Education"

04-10 Feb., 2013

*****

National level Seminar on "Human Values in Education" was organized by NSS Coordinating Cell of Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Raipur and "Manav Mulya Shiksha, Shodh Sansthan (Abhyuday) Achhoti from 4-10 Feb., 2013. The objective of this seminar was to discuss how to introduce the Human Value Education as a part of course curriculum in the degree programme of the undergraduate specially in various faculties of Agriculture and also how to create human resource/ teachers who can teach the subject effectively.

The seminar was attended by Vice Chancellors, Deans Directors, Faculty Members of IGKV and other Universities, SLO, NSS, Chhattisgarh and Programme officers of NSS from all Agriculture, Agril. Engineering colleges of Chhattisgarh and other States like Bihar, Maharashtra, and Tamil Nadu etc.

In the Inaugural Ceremony Chief Guest was Padmshree Dr. A.T. Dabke, Hon`ble Vice Chancellor, C.G. Ayushman (Medical) University, Raipur and was Chaired by Dr. S.K. Patil, Hon`ble Vice Chancellor, Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Raipur. The Vice Chacnellor of Swami Vivekanand Technical University, Durg (C.G.) Hon`ble Dr. B.C. Mal, Vice Chancellor of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Hon`ble Dr. S.K.Pandey and Dr. Samrendra Singh, State Liaison Officer of NSS, Govt. of Chhattisgarh were present as special guest. Shri Som Dev Tyagi and Dr. Sanket Thakur from " Manav Mulya Shiksha Shodh Sansthan (Abhyuday) Achhoti (Durg) were also present as special guest and " Probhodhak" (Speakers), along with large number of students.

The opening ceremony began with lighting of lamp. Dr. S.S.Shaw, Dean Students Welfare, IGKV, Raipur welcome all the guests and spoke about the objective of the training.

Chief guest Padmshree Dr. A.T. Dabke in his address emphasized the need of inculcation of Human Values and moral values in the students of all faculties, specially in the Students who are getting their degrees in Technical/Skill education. Chairman, Dr. S.K. Patil in his address informed the house that recently UGC has communicated all the Universities, specially the institutes involved in technical education must plan to introduce Human Values in their curriculum. He said that in Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya the course on Human values is likely to be introduced from the next academic session in the undergraduate programme as a regular course. Committee for this has already been formed Apart from this, students of senior years will also be exposed to such education as and when it will be possible during their curriculum in degree programme. He emphasized that there is a need of developing human resource in form of teachers who can effectively teach these courses to the students and for that it has been decided to organize special training programmes for the teachers of different campus to create such human resource in IGKV and this training the beginning of the process. In future also such trainings will be organized for other teachers.

Special Guest Hon`ble Dr. B.C.Mal, V.C. of Swami Vivekanand Technical University and Hon`ble Dr. S.K. Pandey V.C. of Pt. Ravishankar Shukla University also addressed the house and expressed their views on the importance of the issue.

Later on Shri Som Dev Tyagi and Dr. Sanket Thakur from "Abhyuday Sansthan" Achhoti interacted with the participants as to how this education is important and already have been incorporated in regular course curriculum in many Universities. They also emphasized that the NSS wing of the Universities can well be ulitized for such education as the basic philosophy of NSS and Human Value in Education is best on the same tune.

Dr. R.N.Ganguli, Coordinator, NSS and Organizing Secretary of the training presented the vote of thanks.

From the next day ie. from 5th Feb. onward all the participants were shifted to Abhyuday Sansthan, Achhoti for detail training which consists of lectures, presentations, group discussions, feed back etc.

Shri Ashok Kumar Shroti, Youth Officer & Head, Youth Affairs & Sports NSS, Regional Center E-1/123, Arera Colony, Bhopal along with Dr. Samrendra Singh, State Liaison Officer of NSS, Govt. of Chhattisgarh, Dr. Subhash Chandrakar, Coordinator, NSS, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur visited "Abhyuday Sansthan, Achhoti during the training and also attended one day session. They interacted with the participants and the teachers of the Abhyuday Sansthan. Shri Shroti & Dr. Samrendra Singh expressed their views that the programme of inculcation of human values can be incorporated as a part of Regular activity and Special camp organized by NSS in various institutions.

On the last day, all the trainees were given anpportunity to share their views and experiences about the training during the "Mulyankan"(evaluation) session. All the trainees were greatly satisfied with the training and expressed that they have preliminarily understood the philosophy and now can teach the subject, however, further exposure/training in needed to understand the philosophy more precisely.

राज्य स्तरीय शिविर सत्र 2012–13 का रतनपुर में आयोजन

सत्र 2012–13 का छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर की संगठन व्यवस्था में रतनपुर में 04 से 10 जनवरी, 2013 तक आयोजित किया गया। शिविर में निम्नानुसार सहभागिता रही।

क्र.	विश्वविद्यालय का नाम	छात्र–छात्राएं	कार्य0 अधिकारी	कुल संख्या
1	पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर	225	17	**242**
2	बिलासपुर वि.वि., बिलासपुर	237	29	**266**
3	सरगुजा वि.वि., अंबिकापुर	113	09	**122**
4	बस्तर वि.वि., जगदलपुर	117	09	**126**
5	स्वामी विवेकानंद तकनीकी वि.वि., भिलाई	35	03	**38**
6	इंदिरा गांधी कृषि वि.वि., रायपुर	10	01	**11**
	राज्य संपर्क अधि. एवं अन्य अधिकारी	**–**	**–**	**15**
	कुल योग	**737**	**68**	**820**

- **उद्घाटन एवं समापन समारोह** :– राज्य स्तरीय शिविर का उद्घाटन व समापन में रंगारंग समारोह आयोजित किये गये। राज्य भर की इकाईयों के छात्र–छात्रायें अपनी पारम्परिक वेशभूषा में सम्मिलित हुए। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा निर्धारित 27 जिलों व 06 विश्वविद्यालयों के रासेयो ध्वज आयोजन स्थल पर पूरे सात दिन अपनी छटा बिखेर रहे थे।

उद्घाटन सत्र 04/01/2013

मुख्य अतिथि – माननीय धरमलाल कौशिक
अध्यक्ष
छ0ग0 विधानसभा

अध्यक्षता – डॉ0 गौरी दत्त शर्मा
कुलपति

विशेष अतिथि – डॉ0 ए0आर0 चन्द्राकर
श्री घनश्याम रात्रे

समापन समारोह 10/01/2013

मुख्य अतिथि – माननीय श्री शेखर दत्त
राज्यपाल
छत्तीसगढ़

अध्यक्षता – डॉ0 गौरी दत्त शर्मा
कुलपति

मुख्य अतिथि – डॉ0 श्रीमती रेणु जोगी
विधायक, कोटा

स्थानीय कलेक्टर महोदय, पुलिस अधीक्षक, अन्य क्षेत्रीय विधायक तथा उच्च शासकीय अधिकारियों की दोनों कार्यक्रमों में उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

- **ऐतिहासिक स्थलों का छात्र–छात्राओं को भ्रमण** :– रतनपुर का छत्तीसगढ़ राज्य में ऐतिहासिक महत्व है तथा पूरे देशभर से पर्यटक इस स्थान पर वर्षभर आते है। रतनपुर में प्राचीनकालीन प्रसिद्ध महामाया मंदिर परिसर में ही राज्य के 800 छात्र–छात्राओं के रूकने की व्यवस्था की गयी थी।

प्राचीन ऐतिहासिक धरोहरों के रूप में प्रसिद्ध रामटेकरी, गिरिजाबंद, लखनदेवी मंदिर, बादल महल, बावड़ी का भ्रमण छात्र–छात्राओं को कराया गया तथा इनके इतिहास की जानकारी स्थानीय विद्वान लोगों के द्वारा प्रदान की गयी।

- **मंदिर परिसर के समीप हैलीपैड का निर्माण** :– मंदिर परिसर के समीप ही रतनपुर में एक नया हैलीपैड लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाया जा रहा था। रतनपुर में बेजा अतिक्रमण से तोड़े गये मलवा तथा मिट्टी को खाई में भरने का कार्य छात्र–छात्राओं द्वारा किया गया। वर्तमान में यह हैलीपैड बनकर तैयार हो चुका है तथा प्रयुक्त किया जाने लगा है।
- **मंदिर परिसर की साफ–सफाई तथा पुताई का कार्य** :– शिविर अवधि में विशाल मंदिर परिसर की साफ–सफाई, झाडियाँ हटाने आदि का कार्य रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। ऐतिहासिक व अतिमान्य धार्मिक स्थल होने के कारण देश के सभी भागों से काफी पर्यटक यहां आते है। पर्यटकों व दर्शनार्थियों की अपार भीड के कारण मंदिर परिसर भी गन्दा हो जाता है। रासेयो छात्र–छात्राओं ने श्रमदान कार्यो के अंतर्गत पूरे परिसर की साफ–सफाई की। पॉलिथीन कचरों को एकत्र कर जलाया गया तथा बोटिंग हेतु तालाब परिसर के घाट की भी सफाई की। मंदिर परिसर की चार दिवारी की पुताई कर अच्छे स्लोगन लिखे गये।
- **ऐतिहासिक किले प्रागंण सफाई एवं तालाब गहरीकरण** :– पूर्व काल में रतनपुर कलचरियों का समृद्धशाली राज्य रहा है, जिसकी मान्यता का अनुमान इसके प्रसिद्ध किले के भग्नावशेषों से लगाया जा सकता है। केन्द्र शासन के पुरातत्व विभाग द्वारा इसे संरक्षित भी किया गया है। इस किले परिसर की साफ–सफाई तथा तालाब के गहरीकरण का कार्य, उच्च अधिकारियों के निर्देशन में तथा उनकी सहमति से कराया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध इतिहासकारों व श्री बृजेश श्रीवास्तव द्वारा रतनपुर के वैभवशाली प्राचीन इतिहास का परिचय भी कराया गया तथा प्राप्त मूर्तियों का अवलोकन किया गया।
- **भव्य सांस्कृतिक रैली** :– छत्तीसगढ़ के कोने–कोने से आये हुये राष्ट्रीय सेवा योजना के 800 छात्र–छात्राओं द्वारा पूरे रतनपुर में ऐतिहासिक एवं भव्य रैली का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ के 27 जिलों की अलग–अलग टोलियाँ बनायी गयी थी। छात्र–छात्राओं ने अपने पारम्परिक वस्त्र पहन रखे थे तथा लोक गीत की धुन पर नाचते गाते हुए आकर्षक रैली निकाली। जगह – जगह पर स्थानीय लोगों

द्वारा तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों पानी की व्यवस्था की गयी थी। युवा स्वयंसेवकों को देखने घरों से लोग बाग उमड़ पड़े थे। बैण्ड बाजा की धुन, रचनात्मक नारों से लिखी बैनर तथा अलग–अलग क्षेत्रों के लोकगीत व लोकनृत्यों की छाप से भारत की सांस्कृतिक एकता प्रदर्शित हो रही थी। रैली में विभिन्नता में एकता, भारत की विशेषता कार्यात्मक रूप से झलक रही थी।

- **शिविराथियों हेतु बौद्धिक कार्यक्रमों का आयोजन** :– प्रतिदिन 02:30 बजे से 04:00 बजे तक बौद्धिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता था जिसमें विभिन्न विद्वानों, अधिकारियों, राजनेताओं को आमंत्रित किया गया था। पर्यावरण, खेती, हस्तकौशल के कार्यो के बारे में विशेषज्ञों द्वारा जानकारी प्रदान की गयी। युवा आयोग के अध्यक्ष श्री संतोष पाण्डेय जी द्वारा शिविरार्थियों को उत्कृष्ठ साहित्य का वितरण भी कराया गया।
- **सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन** :– शिविर में प्रतिदिन राज्य के विभिन्न अंचलों की सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाते थे। शिविर अवधि में 27 जिलों के कार्यक्रम निश्चित समय सीमा में प्रस्तुत किये गये तथा जिलेवार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देखने रतनपुर से तथा बिलासपुर से काफी लोग उपस्थित होते थे।
- **विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन** :– राज्य स्तरीय शिविर अवधि में ही शिविरार्थियों के सर्वागीण विकास हेतु निबंध प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, तात्कालिक भाषण, वाद–विवाद प्रतियोगिता तथा समूह नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गयी। विजयी प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार भी प्रदान किये गये।

"राष्ट्रीय सेवा योजना – कल आज और कल"

राष्ट्रीय सेवा योजना के 2–3 वर्षो तक कार्य करने वाले स्वयंसेवक संस्थाओं से अध्ययन पूर्ण करने के पश्चात् विभिन्न पदों पर कार्यरत रहते है तथा समाज में अपनी उपस्थिति विभिन्न रूपों में प्रदर्शित करते है। सभी पूर्व स्वयंसेवकों के दिल में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा उत्पन्न किया हुआ देश प्रेम तथा सामाजिक दायित्व का जज्बा विद्यमान रहता है। यदि उनका उपयोग श्रेष्ठ रचनात्मक कार्यो में किया जा सके तो इस योजना की ताकत कई गुना बढ़ जाती है। युवा मन लिये हुए ये प्रौढ़ व बुजुर्ग अपने अनुभवों से भावी पीढ़ी को भी सही कार्यो हेतु जागरूक करते है। इसी सोच के साथ छत्तीसगढ़ में राज्य स्तरीय एक कार्यशाला आयोजित की गयी जिसका विषय था – "राष्ट्रीय सेवा योजना – कल आज और कल।" इस आयोजन में पुराने स्वयंसेवकों, पूर्व कार्यक्रम अधिकारियों एवं पूर्व कार्यक्रम समन्वयकों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। सभी ने अपने अनुसार वर्तमान स्वयंसेवकों को बताया तथा उनके सवालों के जवाब दिये। इस अवसर पर सभी पूर्व एवं वर्तमान रासेयो स्वयंसेवकों की इच्छानुसार छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय रासेयो क्लब बनाने का निर्णय लिया गया जो कि एक स्वयंसेवी संगठन के रूप में कार्य करते हुए इस योजना को सपोर्ट करेगी। योजना को कार्य रूप में परिणित करने हेतु एक सात दिवसीय समिति का भी गठन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतिम वर्ष में छात्र–छात्राओं हेतु विदाई देने वाले कार्यक्रम भी प्रारंभ किये गये।

स्वामी विवेकानंद के 150 वीं जन्म शताब्दी समारोह पर विभिन्न आयोजन

स्वामी विवेकानंद को राष्ट्रीय सेवा योजना में प्रारंभ से ही प्रेरणा पुरूष माना जाता रहा है। देशभर में स्वामी विवेकानंद को 150 वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में पूरा कार्य विशेष सार्धशती समारोह में भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा विभिन्न आयोजन किये जा रहे है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं का सबसे बड़ा संगठन है। अतः छत्तीसगढ़ राज्य में इस उपलब्ध में कई राज्य स्तरीय आयोजन किये गये है।

(अ) देशभक्ति गीत व समूह नृत्य पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता :– राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा स्वामी विवेकानंद से प्रेरित समूह नृत्य व देशभक्ति प्रतियोगिता का राज्य स्तरीय आयोजन युवा आयोग की सहायता से किया गया। राज्य के सभी जिलों से राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों की इस कार्यक्रम में उपस्थिति थी। युवा आयोग की सहायता से पुरस्कार भी वितरित किये गये।

प्रथम पुरस्कार	–	रू. 10,000/–
द्वितीय पुरस्कार	–	रू. 5,000/–
तृतीय पुरस्कार	–	रू. 3,000/–

(ब) स्वामी विवेकानंद पर प्रश्न मंच (क्विज) का आयोजन :– स्वामी विवेकानंद के जीवन एवं कृतित्व पर आधारित छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता का राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजन किया गया। विद्यालयों व महाविद्यालयों के छात्रों के लिये अलग–अलग स्तर पर यह आयोजित किया गया। संस्थाओं की टीमों में 2–2 स्वयंसेवक थे। इस प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार दिये गये तथा सभी भाग लेने वाले छात्र–छात्राओं को स्वामी विवेकानंद का साहित्य प्रदान किया गया।

(स) 11 सितंबर को विश्व मातृत्व दिवस का आयोजन :– 11 सितंबर को स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक भाषण को याद करते हुए विश्व मातृत्व दिवस का आयोजन किया गया। राज्य भर से रासेयो स्वयंसेवकों का प्रतिनिधित्व करने हेतु आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय श्री शेखर दत्त जी, राज्यपाल, छत्तीसगढ़ थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य के माननीय मंत्री श्री केदार कश्यप न की।

(द) 20 नवंबर को अर्न्तराष्ट्रीय स्तर के विद्वान इंजीनियर रवि कुमार का व्याख्या :– पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के प्रेक्षागृह में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा छात्र–छात्राओं के ज्ञानवर्धक हेतु अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर स्वामी विवेकानंद के कार्यो को प्रचार–प्रसार करने वाले विद्वान इंजीनियर श्री रवि कुमार जी का व्याख्यान आयोजित किया गया।

निरंतर.....

(प) रासेयो स्वयंसेवकों को स्वामी विवेकानंद के साहित्य का वितरण :– राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को अच्छे साहित्य को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 35,000 रासेयो छात्रों को स्वामी विवेकानंद पर आधारित पुस्तक राज्य स्तरीय युवा आयोग के माध्यम से वितरित की गयी।

पुस्तक का नाम	–	विश्व विजयी भारत रत्न	–	स्वामी विवेकानंद
मूल्य रू. 50/–	–	कुल वितरित पुस्तक (संकलन)	–	35,000
कुल मूल्य	–	35,000 X 50	–	1,75,000/–

(फ) 12 जनवरी युवा दिवस व युवा सप्ताह का आयोजन :– राष्ट्रीय सेवा योजना 12 जनवरी को पूर्व से ही युवा दिवस के रूप में मनाती रही है। इस वर्ष भी राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाईयों द्वारा 12 जनवरी को युवा दिस एवं 12 से 19 जनवरी तक युवा सप्ताह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय स्तर पर इस अवसर पर समूह चर्चा, तात्कालिक भाषण, कलस्टर प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। इस आयोजन में रामकृष्ण मिशन, विवेकानंद आश्रम का सहयोग लिया गया तथा उनकी सहायता से साहित्य वितरित किया गया तथा प्रसाद की व्यवस्था की गई।

(डॉ. समरेन्द्र सिंह)
राज्य संपर्क अधिकारी व
पदेन उपसचिव
राष्ट्रीय सेवा योजना
छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग

छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग
:: मंत्रालय ::
महानदी भवन, नया रायपुर
––00––

सत्र 2012–13 में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किये गये कार्यो का विवरण

- **पंजीयन :–** पुरूष – 60250 महिला – 30750 कुल पंजीयन – 91000
- **वृक्षारोपण** :– 60514 पौधे
- **गोदग्राम की जानकारी :–** गोदग्राम की संख्या – 798
- **रक्तदान शिविर की जानकारी** :– शिविरो की संख्या – 426
  लाभांवित बच्चे – 1114 बच्चे
  कुल रक्तदान – 2180 यूनिट
- **सात दिवसीय विशेष शिविर की जानकारी** :–
  संपन्न शिविर – 646
  कुल शिविरार्थी – 24273
- **राज्य स्तरीय शिविर का आयोजन :–** दिनांक 04 से 10 जनवरी, 2013

कार्यक्रम अधिकारी	छात्र	छात्रा	योग
68	737	263	1068

- **कार्यक्रम अधिकारियों की ट्रेनिंग :–** 752 कार्यक्रम अधिकारी प्रशिक्षित
- **राष्ट्रीय स्तर के शिविरों में राज्य की सहभागिता :–**

क्र.	कार्यक्रम	स्थान	दल प्रभारी	छात्र	छात्रा	योग
1.	मेगा शिविर	विशाखापटनम्	01	06	06	13
2.	समर एडवेंचर कैंप	मनाली, शिमला	01	08	07	16
3.	ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स	नागपुर, महाराष्ट्र	(कार्य0 अधि0)	05	05	10
4.	साहसिक कार्यक्रम	अरूणाचल प्रदेश	01	07	07	15
5.	मेगा शिविर	झारखंड	01	06	06	13
6.	ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स	श्री पेरूम्बुदूर	08	08	10	26

- **राज्य स्तरीय सम्मान/पुरस्कार 2012–13 –** सत्र 2011–12 के कार्यो के आधार पर राष्ट्रीय सेवा योजना के पुरस्कारों हेतु चयनोपरांत माननीय उच्च शिक्षा मंत्री जी एवं स्कूल शिक्षा मंत्री द्वारा 24 सितंबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर पुरस्कृत किया गया।

स्वयंसेवक वर्ग :– **महाविद्यालय (02)** – नगद पुरस्कार रू. 4500/– एवं प्रशस्ति पत्र

1. **कुमारी सविता चन्द्राकर,** शास0 महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातको0 महावि0, महासमुंद
2. **श्री भुवन लाल साहू,** शास0 ई0 राघवेन्द्रराव स्नातको0 महावि0, सरकण्डा, बिलासपुर

विद्यालय – कुमारी पूनम साहू , शास0 आदर्श कन्या उ0मा0 शाला, महासमुंद

कार्यक्रम अधिकारी वर्ग :– नगद पुरस्कार रू. 5000/– एवं प्रशस्ति पत्र

1. **श्री रमेश कुमार सोनी,** शास0 आदर्श उ0मा0 शाला, बसना, महासमुंद
2. **श्री रमेश कुमार ,** भिलाई इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, भिलाई

सर्वश्रेष्ठ इकाई :– शास0 महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातको0 महावि0, महासमुंद (छ0ग0)

निरंतर .....

- **प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन :–**

राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला	–	01
विश्वविद्यालय स्तरीय कार्यशाला	–	06
जिला स्तरीय अधिकारियों एवं दलनायकों हेतु प्रशिक्षण शिविर	–	12

- **इंदिरा गांधी राष्ट्रीय पुरस्कार की प्राप्ति :–** विगत दो वर्षों से छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय पुरस्कार के अंतर्गत 3–3पुरस्कार प्राप्त हुए है।

सत्र 2012–13

श्रेष्ठ कार्य0 अधिकारी	रू. 20,000/– व रजत मंजूषा	डॉ. मालती तिवारी शास.महाप्रभु वल्लभाचार्य महावि., महासमुंद
श्रेष्ठ स्वयंसेवक	रू. 15,000/– व रजत पदक	श्री भुवन लाल साहू शास. राघवेन्द्र राव विज्ञान महावि., बिलासपुर
श्रेष्ठ रासेयो इकाई	रू. 70,000/– व प्रशस्ति पत्र	शास.महाप्रभु वल्लभाचार्य महावि., महासमुंद

- **निर्माण कार्य/परियोजना कार्यक्रम :–**

क.	**विवरण**	**संख्या**
1.	चबूतरा निर्माण (पक्का)	11
2.	घाट निर्माण	02
3.	तालाब गहरीकरण	07
4.	सड़क निर्माण (कच्ची सड़क)	03 (19 कि0मी0)
5.	तालाब निर्माण	01
6.	यात्री प्रतिक्षालय	01
7.	स्टॉप डैम, चैक डैम	05
8.	नाली निर्माण	02

- **वेबसाइट निर्माण :–** राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय वेबसाइट (nsscg.nic.in) का निर्माण किया गया।
- **ई–मेल का निर्माण :–** राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय प्रकोष्ठ एवं इसके अंतर्गत समस्त विश्वविद्यालयों के लिए ई–मेल आई का निर्माण किया गया।
- राष्ट्रीय सेवा योजना की वार्षिक पत्रिका के तृतीय संस्करण का प्रकाशन किया गया।

(डॉ. समरेन्द्र सिंह)
राज्य संपर्क अधिकारी
व पदेन उपसचिव
राष्ट्रीय सेवा योजना
छत्तीसगढ़ शासन,उच्च शिक्षा विभाग